पति ही हत्यारा, दोस्तों के साथ मिलकर की हत्या

30 हजार के इनामी तीनों आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 3 अप्रैल। देहात थाना पुलिस ने एक महिला की हत्या के सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए तीन इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हैरानी की बात यह है कि मृतका का पति ही इस वारदात का मास्टरमाइंड निकला, जिसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर पत्नी की हत्या कर घटना को आत्महत्या का रूप देने की साजिश रची।

पुलिस के अनुसार 30 मार्च 2026 को मिहोना निवासी रमेश बाबू प्रजापति ने थाना देहात में सूचना दी थी कि उनकी पुत्री प्रियंका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। ससुराल पक्ष द्वारा इसे फांसी लगाकर आत्महत्या बताया जा रहा था। सूचना पर मर्ग कायम कर पुलिस ने मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। जांच के दौरान एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया तथा साक्षियों के बयान लिए गए। जांच में सामने आया कि प्रियंका की हत्या गला दबाकर की गई है। इसके बाद आरोपियों ने शव को फांसी के फंदे पर लटकाकर आत्महत्या का रूप देने की साजिश रची।

आरोपी का पत्नी के साथ शराब को लेकर हुआ था विवाद:

पूछताछ में आरोपी पति रामवरण प्रजापति पुत्र राजेन्द्र प्रजापति उम्र 31 साल निवासी बिरखड़ी थाना रोन हाल ग्राम मानपुरा ने कबूल किया कि शराब पीने को लेकर हुए विवाद के बाद उसने पत्नी के साथ मारपीट की और सिलाई मशीन की रस्सी से गला दबाकर हत्या कर दी। बाद में अपने दो दोस्तों आकाश प्रजापति पुत्र रामदास प्रजापति उम्र 25 वर्ष एवं पुनीत जोशी पुत्र बृज किशोर जोशी उम्र 23 साल निवासीगण अकोड़ा की मदद से शव को आंगन में साड़ी के फंदे से लटकाया लेकिन पैर जमीन से लगने पर फंदा काटकर शव नीचे रखकर तीनों फरार हो गए।

मुखबिर की सूचना पर पकड़े गए तीनों आरोपी

डीआईजी एवं एसपी डॉ. असित यादव के निर्देशन में गठित टीम ने मुखबिर सूचना के आधार पर मानपुरा के पास चरथर रोड से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों पर कुल 30 हजार रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मुकेश शाक्य, उप निरीक्षक अजय यादव, उप निरीक्षक विजय शिवहरे, उप निरीक्षक बलराम यादव, प्रधान आरक्षक शैलेन्द्र भदौरिया, गुरुदास, हरवीर गुर्जर, नीरज सिंह, आरक्षक फिरोज खान, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, महेन्द्र यादव, अवधेश, अशोक, पंकज, विष्णु, दीपक, अजय सगर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बिजली कंपनी ने समाधान योजना के द्वितीय चरण की अवधि बढ़ाई

अब 15 मई तक मिलेगा 90 फीसदी तक सरचार्ज में छूट का लाभ

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 3 अप्रैल। मध्य प्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025- 26 के द्वितीय चरण की अवधि डेढ़ माह और बढ़ा दी गई है। बकायादार उपभोक्ताओं की सतत भागीदारी और उनके उत्साह को देखते हुए योजना के द्वितीय चरण की अवधि अब 15 मई कर दी गई है। पिछले साल 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 में शामिल होकर लाखों बकायादार उपभोक्ताओं ने छूट का लाभ लिया है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि तीन माह से अधिक के बकायादार उपभोक्ता योजना के द्वितीय चरण में शामिल होकर अपना बकाया बिल एकमुश्त जमा करके 90 फीसदी तक सरचार्ज माफी का लाभ उठा सकते हैं।

बता दें मध्यप्रदेश सरकार की समाधान योजना 2025- 26 के लागू होने से ऐसे अनेक उपभोक्ता हैं जो बकाया बिल जमा कर रहे हैं और एकमुश्त बकाया राशि जमा करने पर अधिकतम छूट का लाभ ले रहे हैं। यह योजना उन बकायादार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के द्वितीय चरण में सरचार्ज में 70 से लेकर 90 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किश्तों में भुगतान करने पर 50 से लेकर 60 प्रतिशत तक छूट का विकल्प मिल रहा है।

उपाय एप व सीएससी पर भी पंजीयन की सुविधा

कंपनी के उपाय एप एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) तथा एमपी ऑनलाइन पर भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध है। पंजीयन के दौरान अलग- अलग उपभोक्ता श्रेणी के लिए पंजीयन राशि निर्धारित की गई है। घरेलू एवं कृषि उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 10 प्रतिशत तथा गैर घरेलू और औद्योगिक उपभोक्ता कुल बकाया राशि का 25 प्रतिशत भुगतान कर पंजीयन कराकर योजना में शामिल होकर लाभ उठा सकते हैं। विस्तृत विवरण तीनों कंपनियों की वेबसाइटों पर भी देखा जा सकता है साथ ही विद्युत वितरण केंद्र में पहुंचकर भी योजना के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

समाधान योजना 2025-26 एक नजर में

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया विलंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। दो चरणों में लागू इस योजना के दूसरे और अंतिम चरण में 15 मई 2026 तक बकाया बिल जमा करने पर 50 से लेकर 90 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ किया जा रहा है। समाधान योजना 2025- 26 का लाभ उठाने के लिए उपभोक्ताओं को मप्र मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल हेतु पोर्टल पर पंजीयन कराना होगा।

आज बड़ौदा अहीर आएंगे राज्यपाल

खंडवा. प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल आज जिले के पंधाना विकासखंड के ग्राम बड़ौदा अहीर स्थित जननायक टंट्या भील के स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे.

तालाब सफाई से जल संरचनाओं का पुनर्जीवन

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 3 अप्रैल। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत भिण्ड जिले की ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण की गतिविधियां जोरों पर हैं। जनभागीदारी से तालाबों की सफाईए गाद हटाओ अभियान, प्याऊ निर्माण, खेत तालाब और जल स्त्रोतों के संरक्षण जैसे कार्य हो रहे हैं। इससे ग्रामीणों में जल के महत्व की जागरूकता बढ़ रही है।

अभियान की मूल भावना जनसहभागिता से जल संरक्षण है। पुरानी संरचनाओं का जीर्णोद्धार, नई जल संरचनाएं, वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट जल उपचार को प्राथमिकता मिल रही है। सभी वर्गों को जोड़कर इसे जन आंदोलन बनाया जा रहा है ताकि आने वाली पीढ़ियों को जल मिले। जनपद पंचायत रौन के ग्राम शंकरपुरा और चांदोख पंचायतों में विशेष सफाई अभियान चला। जनपद अधिकारी व कर्मचारियों ने ग्रामीणों के सहयोग से तालाबों से गाद निकाली। जिसमें ग्रामीणों ने बढ़- चढ़कर भाग लिया।

गोहद की 'उज्जवला' में प्रशासन का 'अंधेरा': गैस के नाम पर जनता के नसीब में सिर्फ़ दौड़

नवभारत न्यूज
गोहद, 3 अप्रैल। कहते हैं कि सरकार का काम जनता की राह आसान करना है, लेकिन गोहद में प्रशासन ने इस मुहावरे को ही पलट दिया है। यहाँ भारत गैस एजेंसी क्या बंद हुई, हज़ारों उपभोक्ताओं की रसोई का चूल्हा मानों 'सरकारी फाइलों' में कैद होकर रह गया है।

जब विवादों के चलते शहर की सबसे बड़ी एजेंसी 'भारत गैस' पर ताला जड़ा गया, तो लगा था कि विकल्प के तौर पर जनता को राहत मिलेगी। पर राहत की जगह मिला 'नक्शा'। ग्राहकों को चार अलग-अलग एजेंसियों में ऐसे बांट दिया गया जैसे किसी रियासत का बंटवारा हो रहा हो। ये एजेंसियां शहर से इतनी दूर हैं कि सिलेंडर लाने में जितनी गैस खर्च नहीं होती, उससे ज्यादा उपभोक्ता का पेट्रोल और पसीना बह जाता है।

'बिनु पग चलै, सुनै बिनु काना' — यानी एजेंसी पास नहीं है, फिर भी उपभोक्ता को मीलों पैदल चलना है; दफ्तरों में सुनवाई नहीं है, फिर भी उम्मीद का दामन थामना है।

यहाँ 'गैस' के दो अर्थ हो गए हैं— एक वो जो सिलेंडर में नहीं मिल रही, और दूसरी वो जो अधिकारी बातों ही बातों में छोड़ रहे हैं। गोहद के उपभोक्ताओं के लिए गैस सिलेंडर पाना अब 'अमृत कलश' खोजने जैसा हो गया है। सिलेंडर मिल जाए तो मोहल्ले में ऐसे बधाई दी जाती है जैसे घर में लड़का हुआ हो।

बड़ा सवाल यह है कि जब मुख्य एजेंसी बंद हुई, तो तत्काल प्रभाव से किसी अन्य स्थानीय वितरक को स्वीकृति क्यों नहीं दी गई? क्या प्रशासन किसी 'शुभ मुहूर्त' का इंतज़ार कर रहा है या फिर जनता की परेशानी उनके लिए केवल एक 'डेटा' मात्र है?

जिम्मेदार कौन?

खाद्य विभाग की सुस्ती: जिसने कागजी खानापूर्ति को जनहित से ऊपर रखा।

स्थानीय प्रशासन: जो एजेंसी के चक्कर काटते बुजुर्गों और परेशान महिलाओं की सुध लेने में नाकाम रहा।

कार्रवाई कब?

फिलहाल तो कार्रवाई के नाम पर केवल 'आश्वासनों की चाशनी' घोली जा रही है। नियम कहते हैं कि अनिवार्य सेवाओं में बाधा आने पर वैकल्पिक व्यवस्था युद्ध स्तर पर होनी चाहिए, लेकिन यहाँ तो 'शांति काल' घोषित है। जनता पूछ रही है कि साहब! क्या चूल्हा जलने के लिए भी अब आंदोलन का ही सहारा लेना पड़ेगा?

निष्कर्ष: गोहद की जनता आज उस मुहाने पर खड़ी है जहाँ उसे एजेंसी के नाम तो रट गए हैं, लेकिन घर में रखा खाली सिलेंडर आज भी 'मौन व्रत' धारण किए हुए है। क्या प्रशासन अपनी गहरी नींद से जागेगा, या फिर लोग ऐसे ही किलोमीटर नापते रहेंगे?

दलित उत्पीड़न पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा

माकपा ने कानून व्यवस्था बिगड़ी बताते हुए दिया अल्टीमेटम

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 3 अप्रैल। गोहद अनुभाग में कानून व्यवस्था को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिष्ट पार्टी द्वारा गंभीर सवाल खड़े करते हुए प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि दलित उत्पीड़न के मामलों में शीघ्र और निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो 13 अप्रैल से आंदोलन शुरू किया जाएगा। यह बात माकपा नेता प्रेम नारायण माहौर ने पत्रकार वार्ता में कही।

माकपा नेता ने कहा कि क्षेत्र में सट्टा, जुआ, नशाखोरी, चोरी, हत्या और मारपीट जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। गश्त की कमी के कारण आमजन खासकर महिलाएं और बच्चियां खुद को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। उन्होंने पुलिस पर अपराधियों से सांठगांठ और भ्रष्टाचार के भी गंभीर आरोप लगाए। माहौर ने बताया कि एंडोरी थाना क्षेत्र के बरोना गांव में पहले नरोत्तम नामक व्यक्ति को डीजल डालकर जलाने का प्रयास किया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद हाल ही में उसके छोटे भाई की पत्नी नारायणी बाई जो कि दलित और मजदूर वर्ग से है, के साथ घर में घुसकर मारपीट की गई। आरोप है कि मजदूरी मांगने पर दबंगों ने उन्हें बेरहमी से पीटा जिससे वे घायल हो गईं।

माकपा नेता ने कहा है कि पीड़ित परिवार में भय का माहौल है। नरोत्तम पहले ही गांव छोड़ चुका है और अब नारायणी बाई भी पलायन को मजबूर हैं। माकपा नेता का आरोप है कि मुख्य आरोपी का नाम चार्जशीट से हटा दिया गया है जिससे न्याय की प्रक्रिया प्रभावित हुई है। उन्होंने मालनपुर में सुनील माहौर के साथ मारपीट और गुहीसर में भी उत्पीड़न की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि पुलिस की कार्रवाई दबाव में ही होती है। माकपा ने चेतावनी दी है कि यदि बरोना की घटना में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो 13 अप्रैल से गोहद एसडीओपी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन कर आंदोलन को तेज किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में पूर्व पार्षद राजेंद्र कुशवाह, जगदीश माहौर, पीड़िता नारायणी बाई और सुनील माहौर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम का किया गया आयोजन

नवभारत न्यूज
भिण्ड, 3 अप्रैल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद भिण्ड के तत्वधान में आज मौ कस्बे के सरकारी बाग हनुमान मंदिर में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर नवांकुर संस्था भावना प्रिंस शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति मौ द्वारा जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विकासखंड समन्वयक बृजेंद्र सिंह शर्मा के मार्गदर्शन एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से हुआ। इस पहल का उद्देश्य गर्मी के मौसम में राहगीर एवं आम जन को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना एवं जलसंरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में जिनेंद्र कुमार जैन भावना प्रिंस शिक्षा एवं समाज कल्याण समिति के सचिव सुल्तान सिंह मौर्य, अध्यक्ष परम सुख कुशवाह, छत्रपाल जाटव, छोटू जाटव, मंदिर के पुजारी राम लखन शरण सहित अन्य लोगों ने उत्साह पूर्वक सहभागिता निभाई एवं जल संरक्षण के संदेश को जन- जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

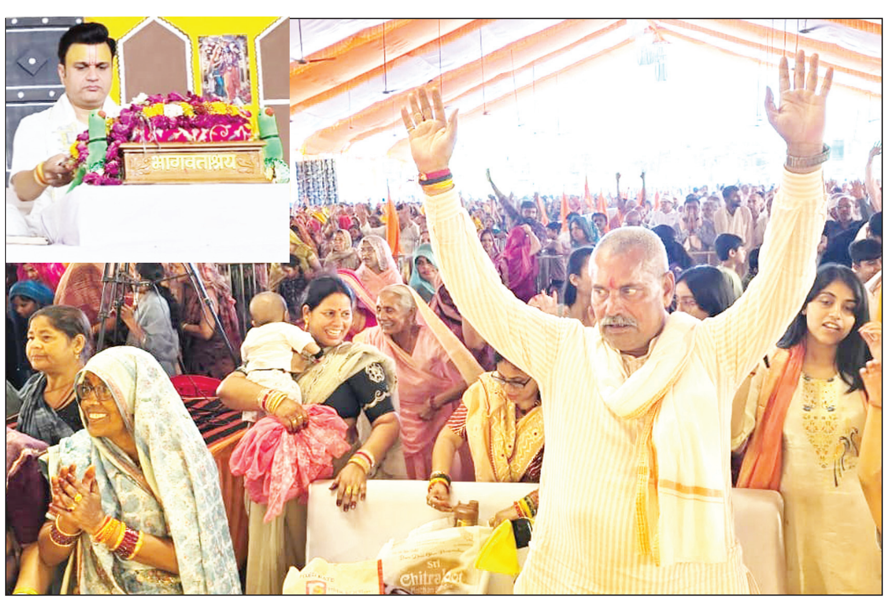

तोता बनकर शुकदेव जी ने भगवान शंकर से सुनी श्रीमद्भागवत कथा

नवभारत न्यूज
मेहगांव,03अप्रैल। आचार्य पं विमल कृष्ण पाठक ने मेहगांव नगर में त्यागी बाग पचैरा रोड, दैपुरिया कॉलेज के पास चल रही श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के द्वितीय दिवस की कथा में भागवत का महात्म्य बताते हुए कथा वाचक भागवत रत्न व अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आचार्य पं. विमलकृष्ण पाठक जी ने भक्तों को भागवत कथा के महात्म बताया । उन्होने बताया कि तोता बनकर शुकदेव जी ने भगवान शंकर से सुनी श्रीमद्भागवत कथा ।

राजस्व अमला उड़ा रहा सुशासन के दावों की धज्जियाँ

नवभारत न्यूज
गोहद, 3 अप्रैल। भिंड जिले का राजस्व अमला सुशासन के दावों की धज्जियाँ उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा। गोहद तहसील से आई नामांतरण की यह कहानी, किसी 'प्रशासनिक डकैती' से कम नहीं, जहाँ फाइलों का वजन, न्याय की किताबों से कहीं ज्यादा भारी पड़ता है।

जब आवेदक, संतोष कुमार, ने अपनी गाढ़ी कमाई से खरीदी गई जमीन (सर्वे नंबर 1244) के नामांतरण के लिए अर्जी लगाई, तो यहाँ के 'साहेब' को नियमों का 'पहाड़' याद आ गया। कॉलोनाइजर एक्ट और डायवर्जन की ऐसी 'भूलभुलैया' खड़ी कर दी गई कि बेचारे आवेदक का आवेदन, नियमों की दलदल में ही दम तोड़ गया। मानो, जमीन तो थी, पर उसे 'कानूनी' बनाने का रास्ता ही गायब था। जब आवेदक ने फिर से प्रयास किया, तो पटवारी की रिपोर्ट ने तो कमाल ही कर दिया। रिपोर्ट में लिखा गया— 'मौके पर भूमि ही उपलब्ध नहीं है!' जो जमीन 'ब्रह्मांड के नक्शे' पर विधमान है, वह तहसीलदार की 'दिव्य दृष्टि' से ओझल हो गई। यह ऐसा था, मानो जमीन ने ही 'जलसमाधि' ले ली हो, और अब उसे ढूंढना किसी 'खजाने की खोज' से कम नहीं था।

लेकिन, जैसे ही 'बैक डोर एंट्री' (जिसे हम 'सुविधा शुल्क' के नाम से भी जानते हैं) का 'जादुई चिराग' रगड़ा गया, 19 नवंबर 2025 का एक 'संशोधित आदेश' किसी 'ईश्वरीय वरदान' की तरह प्रकट हुआ। जो जमीन 'गायब' थी, वह एकाएक 'मिल' गई; जो 'नियम' पहले बाधक थे, वे अचानक 'साधक' बन गए। यह सचमुच 'अंधेर नगरी चौपट राजा' का तांडव था, जहाँ 'चंदा' (रिश्वत) से आँखों की 'अंधेरता' दूर होती है और 'कलम' 'बैक डोर' से चलती है। क्रमांक (1938/अ-6/2025-26) पर बार-बार ऐसे विरोधाभासी आदेश पारित होते हैं, तो यह सीधे तौर पर 'सुशासन' के दावों और 'साख' पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

डायल-112 ने घायलों को पहुंचाया अस्पताल

भोपाल, 03 अप्रैल. दमोह जिले में मोटर साइकिल दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को डायल-112 टीम की तत्पर और संवेदनशील कार्रवाई से समय पर अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया.

गुरुवार को राज्य स्तरीय पुलिस कंट्रोल रूम डायल-112, भोपाल को सूचना मिली कि हटा थाना क्षेत्र के अंतर्गत सेमरी फतेहपुर के पास दो मोटरसाइकिलों की टक्कर में तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और तत्काल सहायता की आवश्यकता है. सूचना मिलते ही हटा क्षेत्र में तैनात डायल-112 की एफआरव्ही (फर्स्ट रिस्पांस व्हीकल) को तुरंत मौके के लिए रवाना किया गया. घटनास्थल पर पहुंचकर आरक्षक देवेंद्र आठिया और पायलट श्रीराम पटेल ने स्थिति का आकलन करते हुए तुरंत राहत कार्य शुरू किया. उन्होंने घायलों को प्राथमिक सहायता प्रदान की और सावधानीपूर्वक एफआरव्ही वाहन में शिफ्ट किया.

प्रो . वाईके सिंह ग्रामोदय विवि से सेवानिवृत्त

चित्रकूट. महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के कला संकाय में पदस्थ प्राध्यापक प्रो. वाई. के. सिंह अपनी अधिवार्षिकी आयु पूर्ण करने के उपरांत विश्वविद्यालय की सेवाओं से सेवानिवृत्त हो गए हैं. प्रो. सिंह ग्रामोदय विश्वविद्यालय के प्रारंभिक काल से जुड़े रहे हैं तथा उन्होंने लंबे समय तक संस्थान की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. अपने सेवा काल में उन्होंने विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है. वे शिक्षा शास्त्र के विशिष्ट विद्वान के रूप में प्रतिष्ठित रहे हैं. इस अवसर पर कला संकाय के अधिष्ठाता कक्ष में आयोजित विदाई समारोह में उनके सहकर्मी प्राध्यापक आदि मौजूद रहे.